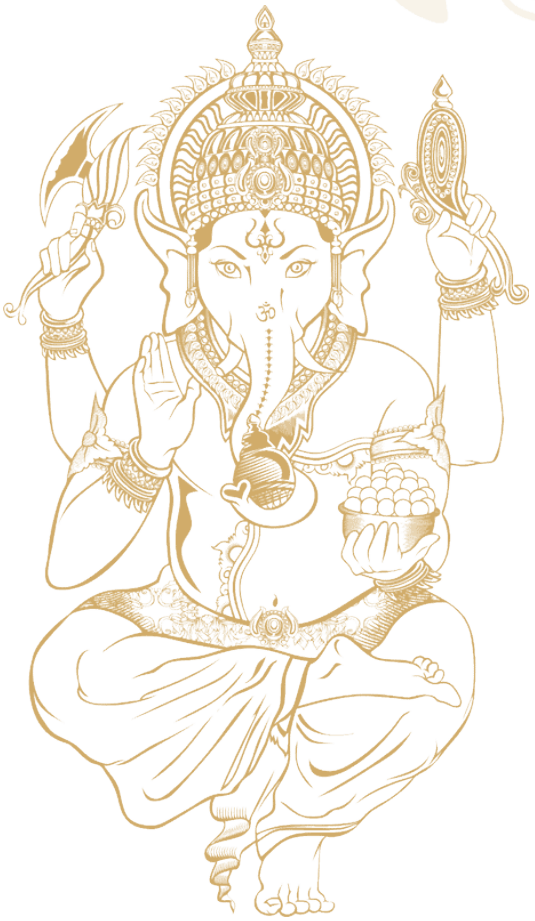

Mr.

05 Nov 2025

05:53 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120324221

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/11/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:53:00 घंटे**
इष्ट	27:38:56 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:15:32 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	20:15:29 घंटे
सूर्योदय	06:49:25 घंटे
सूर्यास्त	17:52:38 घंटे
दिनमान	11:03:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:07:25 तुला
लग्न के अंश	20:22:48 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:22:48	431:35:29	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			तुला	19:07:25	01:00:08	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			मेष	18:33:59	15:18:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	06:28:44	00:43:02	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध			वृश्चि	11:26:44	00:31:33	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			कर्क	00:52:14	00:01:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	03:59:37	01:15:05	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:23:15	00:02:19	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	22:34:27	00:07:47	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:34:27	00:07:47	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:53:02	00:02:22	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:29:12	00:01:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:16:05	00:00:38	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मक	07:24:31	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:08

लग्न-चलित

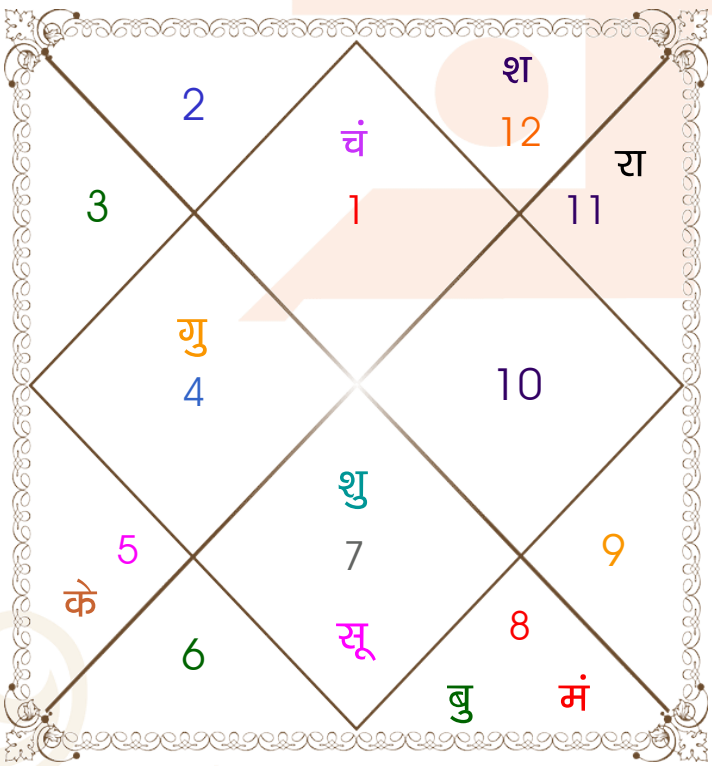

चन्द्र कुंडली

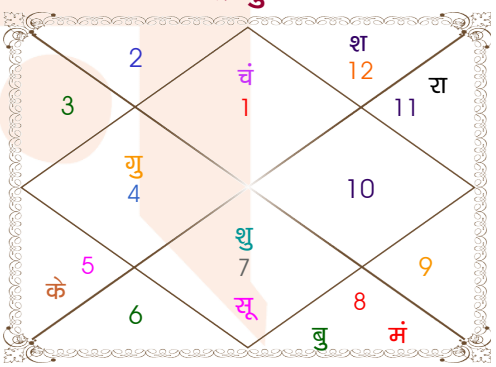

नवमांश कुंडली

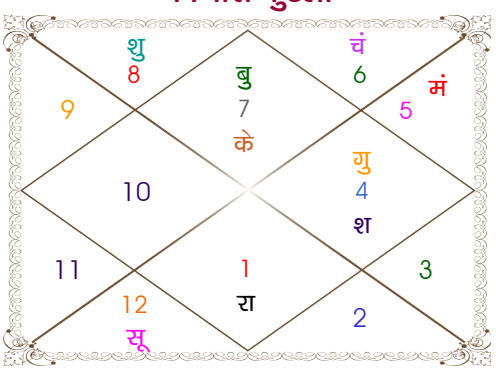

रुद्र वैदिक वास्तु एवं ज्योतिष कंसलटेंसी
जोधपुर - राजस्थान -(भारत)
9784732978
kishorchoukha@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 1 मास 24 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/11/2025		30/12/2037		31/12/2043		30/12/2053		30/12/2060	
30/12/2037		31/12/2043		30/12/2053		30/12/2060		30/12/2078	
	00/00/0000	सूर्य	19/04/2038	चंद्र	30/10/2044	मंगल	28/05/2054	राहु	12/09/2063
	00/00/0000	चंद्र	18/10/2038	मंगल	31/05/2045	राहु	16/06/2055	गुरु	05/02/2066
	00/00/0000	मंगल	23/02/2039	राहु	30/11/2046	गुरु	22/05/2056	शनि	12/12/2068
	05/11/2025	राहु	18/01/2040	गुरु	31/03/2048	शनि	01/07/2057	बुध	01/07/2071
राहु	01/03/2028	गुरु	05/11/2040	शनि	30/10/2049	बुध	28/06/2058	केतु	19/07/2072
गुरु	31/10/2030	शनि	18/10/2041	बुध	01/04/2051	केतु	24/11/2058	शुक्र	19/07/2075
शनि	30/12/2033	बुध	25/08/2042	केतु	31/10/2051	शुक्र	24/01/2060	सूर्य	12/06/2076
बुध	30/10/2036	केतु	30/12/2042	शुक्र	01/07/2053	सूर्य	31/05/2060	चंद्र	12/12/2077
केतु	30/12/2037	शुक्र	31/12/2043	सूर्य	30/12/2053	चंद्र	30/12/2060	मंगल	30/12/2078

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/12/2078		30/12/2094		31/12/2113		31/12/2130		31/12/2137	
30/12/2094		31/12/2113		31/12/2130		31/12/2137		00/00/0000	
गुरु	17/02/2081	शनि	02/01/2098	बुध	29/05/2116	केतु	30/05/2131	शुक्र	02/05/2141
शनि	31/08/2083	बुध	12/09/2100	केतु	26/05/2117	शुक्र	29/07/2132	सूर्य	02/05/2142
बुध	06/12/2085	केतु	22/10/2101	शुक्र	26/03/2120	सूर्य	03/12/2132	चंद्र	01/01/2144
केतु	12/11/2086	शुक्र	22/12/2104	सूर्य	30/01/2121	चंद्र	05/07/2133	मंगल	02/03/2145
शुक्र	13/07/2089	सूर्य	04/12/2105	चंद्र	02/07/2122	मंगल	01/12/2133	राहु	06/11/2145
सूर्य	01/05/2090	चंद्र	05/07/2107	मंगल	29/06/2123	राहु	19/12/2134		00/00/0000
चंद्र	31/08/2091	मंगल	13/08/2108	राहु	15/01/2126	गुरु	25/11/2135		00/00/0000
मंगल	06/08/2092	राहु	20/06/2111	गुरु	22/04/2128	शनि	03/01/2137		00/00/0000
राहु	30/12/2094	गुरु	31/12/2113	शनि	31/12/2130	बुध	31/12/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।